L.H. MORGAN

B.A III Honours
SOC 101 (06)
[illegible]

Evolution of Family

ADD INTRODUCTION FROM PREVIOUS QUESTION

Morgan ने Iroquois समाज का गहन अध्ययन करते हुए उनकी नातेदारी सम्बन्धों का भी विशेष रूप से अध्ययन किया और उनके सदस्यों के बीच जो सम्बन्ध पाये जाते थे इसे उन्होंने वर्गीकृत नातेदारी प्रणाली का नाम दिया। इसके बाद उसने पारिवारिक सम्बन्धों, विवाह, परिवार की संरचना आदि के अध्ययन द्वारा उसने समाज में परिवार के उद्विकास की प्रक्रिया को समझाने का भी प्रयास किया। उसके द्वारा समाज में परिवार का उद्विकास निम्नलिखित अवस्थाओं में हुआ है।

① अव्यवस्थित परिवार (Promiscuous family): परिवार के विकास की यह पहली अवस्था है। इसमें परिवार का कोई निश्चित स्वरूप नहीं पाया जाता था और सम्बन्ध अनियमित थे। विवाह अथवा नातेदारी जैसी कोई संस्था नहीं पायी जाती थी। वंशनाम या पारिवारिक सत्ता जैसी संस्था का कोई प्रश्न ही नहीं था। स्त्री तथा पुरुष केवल छोटे छोटे समूहों में रहते थे।

② समूह विवाही परिवार (Consanguine family) परिवार के उद्विकास के क्रम में, समूह विवाही परिवार, परिवार के विकास का दूसरा स्तर था। इसे Morgan दो भागों में विभाजित किया है जिसे रक्त सम्बन्धी समूह विवाही परिवार तथा अन्-रक्त सम्बन्धी समूह विवाही परिवार कहा जाता है। इसे Morgan ने इसकी व्याख्या भी स्पष्ट रूप में स्वीकार किया है। अर्थात समूह विवाह के रूप में परिवार की संस्था पायी जाती थी। जिसमें समान रक्त के सम्बन्ध के बीच भी विवाह सम्बन्ध

Scanned with CamScanner

स्थापित किये जाते थे। दूसरे प्रकार में स्त्रियों के समूह से पुरुषों के वैवाहिक सम्बन्ध स्थापित किये जाते थे लेकिन वह आपस में एक सम्बन्धी नहीं होते थे।

(3) बहुपति विवाही परिवार (Polyandrous family)

परिवार के विकास के क्रम में इस काल में एक स्त्री को पुरुषों से दाम्पत्य सम्बन्ध रखते हुए परिवार की स्थापना करने की अनुमति मिल गयी। इस प्रकार के परिवारों में वंशनाम माता से सम्बोधित होता था। Keral के नायर तथा खासी जनजातियों में इसी प्रकार के परिवार की व्यवस्था पायी जाती है।

(4) बहुपत्नी विवाही परिवार (Polygamous family)

इस अवस्था में एक पुरुष द्वारा अनेक स्त्रियों से विवाह करके परिवार की स्थापना की जाती थी। इसमें वंशनाम पुरुषों से चलता था तथा परिवार में पुरुषों को सम्पूर्ण स्थान प्राप्त था एवं उन्हें सम्पत्ति में भी अधिक अधिकार दिये जाते थे।

(5) एक विवाही परिवार (Monogamous family):

Morgan ने पारिवारिक विकास के अन्तिम चरण के रूप में इसको स्वीकार किया है। Industrialization तथा urbanization के कारण इस प्रकार के परिवारों का विकास हुआ। परन्तु सत्ता तथा वंशनाम इन परिवारों में पुरुषों के हाथों में था। ईसा मसीह के समय से ही स्त्री तथा पुरुष दोनों को समान अधिकार प्राप्त होना प्रारम्भ हो गये थे।

परन्तु अनेक कारणों से इसके इस सिद्धान्त की आलोचना भी की जाती है।

— x —

Scanned with CamScanner

STATEMENT OF CLASSESS CONDUCTECTED UNDER GRADUATE PROGRAMME

Department: SOCIOLOGY   Programme: B.A. I, II, III

Name	Phone	B.A. I	Date Time	B.A. II	Date Time	B.A. III	Date Time
	9	Elements of social Structure	2.7.20 9.37			Cultural Evolution of Morgan	3.7.20 8.33
M.A. John	2					Evolution of family Morgan	4.7.20 9.57
	0						
	0						
	3						
	8						
	6						
	7						
	0						
	9						

Dr. M.A. John.
Head Dept. of Sociology
Oriental College
Patna 800008.

Scanned with CamScanner